

श्यामलादणुकं कालिदासविरचितम्

{॥ श्यामलादणुकं कालिदासविरचितम् ॥}

॥ अथ श्यामला दणुकम् ॥

॥ ध्यानम् ॥

माणिक्यवीणामुपलालयन्तीं

मदालसां मङ्गलवाग्विलासाम् ।

माहेन्द्रनीलद्वतिकोमलाङ्गीं

मातङ्गकन्यां मनसा स्मरामि ॥ १ ॥

चतुर्भुजे चन्द्रकलावतङ्गे

कुङ्कुमते कुङ्कुमरागशोणे ।

पुण्ड्रेष्कुपाशाङ्कुशपुष्पवाण-

हस्ते नमस्ते जगदेकमातः ॥ २ ॥

॥ विनियोगः ॥

माता मरकतश्यामा मातङ्गी मदशालिनी ।

कुर्यात् कटाक्षं कल्याणी कदम्बवनवासिनी ॥ ३ ॥

॥ स्तुति ॥

जय मातङ्गतनये जय नीलोत्पलद्वये ।

जय सङ्गीतरसिके जय लीलाशुकप्रिये ॥ ४ ॥

॥ दणुकम् ॥

जय जननि सुधासमुद्रान्तरुदयान्नीदीपसंरुद्ध -

विष्वाटवीमध्यकल्लङ्गमाकल्लकादंबकान्तरवासप्रिये

कृतिवासप्रिये सर्वलोकप्रिये

सादरारब्धसंगीतसंभावनासंभ्रमालोल-

नीपस्रगावद्धचूलीसनाथत्रिके सानुमत्पुत्रिके

शेखरीभूतशीतांशुरेखामयूखावलीवद्ध-

सुस्निग्धनीलालकश्रेणिशृङ्गारिते लोकसंभाविते

कामलीलाधनुस्सन्निभभूलतापुष्पसन्दोहसन्देहकुल्लोचने

वारुणस्येचने चारुगोरोचनापञ्चकेलीललामाभिरामे सुरामे रमे

प्रोल्लसद्भालिकामौक्तिकश्रेणिकाचन्द्रिकामण्डलोद्भासि

लावण्यगुणस्थलन्यस्तकस्तूरिकापत्ररेखासमुद्भूतसौरभ्य-

संभ्रान्तभृङ्गाङ्गनागीतसान्द्रीभवन्मन्दतन्त्रीश्वरे

सुश्वरे भास्वरे

वल्लकीवादनप्रक्रियालोलतलीदलावद्ध-

ताटञ्कभूषाविशेषाश्रिते सिद्धसम्मानिते

दिव्यहालामदोद्वेलहेलालसच्छम्भुरान्दोलनश्रीसमाम्निपुङ्कैक-

नीलोत्पले श्यामले पूरिताशेषलोकालिङ्गाङ्गुफले श्रीफले

स्वेदविन्दुल्लसद्भाललावण्य निष्यन्दसन्दोहसन्देहकुल्लासिकामौक्तिके

सर्वविश्वात्रिके सर्वसिद्ध्यात्रिके कालिके मुण्डमन्दस्मितोदारवक्त्र-

स्फुरत् पूगतामूलकपूरखण्डोत्करे ज्ञानमुद्राकरे सर्वसम्पत्करे

पद्मभास्वत्करे श्रीकरे

কুন্দপুষ্পদ্ব্যতিস্নিগ্ধদস্তাবলীনির্মলালোলকল্লোলসম্মেলন
স্মেরশোণাধরে চারুবীণাধরে পঙ্কবিংবাধরে
সুললিত নবযৌবনারংভচন্দ্রোদয়োদ্বেললাবণ্যদুষ্কার্ণবাৰিভবত্
কস্মুবিম্বোকভৃংকস্মরে সৎকলামন্দিরে মস্মরে
দিব্যরত্নপ্রভাবন্ধুরচ্ছন্নহারাদিভূষাসমুদ্যোতমানানবদ্যাঙ্গ-
শোভে শুভে
রত্নকেয়ূররশ্মিচ্ছটাপল্লবপ্রোপ্লসদোল্লতারাজিতে যোগিভিঃ
পূজিতে বিশ্বদিগ্ঘণ্ডলব্যাপ্তমাণিক্যতেজস্ফুরৎকঙ্কণালংকৃতে
বিভ্রমালংকৃতে সাধুভিঃ পূজিতে বাসরারংভবেলাসমুজ্জ্বস্ত
মাণারবিন্দপ্রতিদ্বন্দ্বিপাণিদ্বয়ে সন্ততোদ্যদ্বয়ে অদ্বয়ে
দিব্যরত্নোর্মিকাদীধিতিস্তোমসন্ধ্যায়মানাঙ্গুলীপল্লবোদ্য
ন্থেন্দুপ্রভামণ্ডলে সন্নুতাখণ্ডলে চিৎপ্রভামণ্ডলে প্রোপ্লসৎকুণ্ডলে
তারকারাজিনীকাশহারাবলিস্মের চারুস্তনাভোগভারানমগ্নাধ্য-
বল্লীবলিচ্ছেদ বীচীসমুদ্যৎসমুপ্লাসসন্দর্শিতাকারসৌন্দর্যরত্নাকরে
বল্লকীভৃংকরে কিঙ্করশ্রীকরে
হেমকুংভোপমোত্তুঙ্গ বক্ষোজভারাবনশ্চে ত্রিলোকাবনশ্চে
লসদ্বৃত্তগংভীর নাভীসরস্তীরশৈবালশঙ্কাকরশ্যামরোমাবলীভূষণে
মঞ্জুসংভাষণে
চারুশিঙ্করকটীসূত্রনির্ভাংসিতানঙ্গলীলধনুশ্চিশিঞ্জিনীডংবরে
দিব্যরত্নাস্মরে
পদ্মরাগোল্লস ন্মেখলামৌক্তিকশ্রোণিশোভাজিতস্বর্ণভূভূতলে
চন্দ্রিকাশীতলে বিকসিতনবকিংশুকাতাম্রদিব্যাংশুকচ্ছন্ন

চারুশোভাপরাভূতসিন্দূরশোণায়মানেন্দ্রমাতঙ্গ
হস্মার্গলে বৈভবানর্গলে শ্যামলে কোমলম্বিন্ধ
নীলোৎপলোৎপাদিতানঙ্গতূণীরশঙ্কাকরোদার
জংঘালতে চারুলীলাগতে নম্রদিকৃপালসীমন্তিনী
কুন্তলম্বিন্ধনীলপ্রভাপুঙ্গুসঙ্কাতদুর্বাঙ্কুরাশঙ্ক
সারংগসংযোগরিংখন্ধেদুজ্জ্বলে প্রোজ্জ্বলে
নির্মলে প্রহু দেবেশ লক্ষ্মীশ ভূতেশ তোযেশ বাণীশ কীনাশ
দৈত্যেশ যক্ষেশ বায়ুগ্নিকোটীরমাণিক্য সংহৃষ্টবালাতপোদাম--
লাক্ষারসারুণ্যতারুণ্য লক্ষ্মীগৃহিতাঙ্গিষ্পদম্বে সুপদ্মে উমে
সুরচিরনবরত্নপীঠস্থিতে সুস্থিতে
রত্নপদ্মাসনে রত্নসিঁহাসনে শঙ্খপদ্মদ্বয়োপাশ্রিতে বিশ্রুতে
তত্র বিঘ্नेশদুর্গাবটুম্বেত্রপালৈর্যুতে মত্তমাতঙ্গ
কন্যাসমূহাষিতে ভৈরবৈরষ্টভিবেষ্টিতে
মঞ্জুলামেনকাদ্যঙ্গানামানিতে দেবি বামাদিভিঃ শক্তিভিস্বেষিতে
ধাত্রি লক্ষ্ম্যাশিক্ত্যষ্টকৈঃ সংযুতে মাতৃকামণ্ডলৈর্মণ্ডিতে
যক্ষগন্ধর্বসিদ্ধাঙ্গনা মণ্ডলৈর্চিতে
ভৈরবী সংবৃতে পঞ্চবাণাত্মিকে পঞ্চবাণেন রত্যা চ
সংভাবিতে প্রীতিভাজা বসন্তেন চানন্দিতে ভক্তিভাজং পরং শ্রেয়সে
কল্পসে যোগিনাং মানসে দ্যোতসে ছন্দসামোজসা ভ্রাজসে গীতবিদ্যা
বিনোদাতি তৃষ্ণেন কৃষ্ণেন সম্পূজ্যসে ভক্তিমচ্চেতসা বেধসা
স্তূষসে বিশ্বহৃদ্যেন বাদ্যেন বিদ্যাধরৈর্গীযসে
শ্রবণহরদক্ষিণক্কাণযা বীণযা কিন্নরৈর্গীযসে

यम्भगन्धर्वसिद्धाङ्गना मण्डलैरर्च्यसे
सर्वसौभाग्यावाङ्मवतीभिर् बधूभिस्सुराणां समाराध्यसे
सर्वविद्याविशेषत्रयं चाटुगाथा समुच्चारणकण्ठमूलोल्लसद्-
वर्णराजिद्वयं कोमलश्यामलोदारपङ्कद्वयं तुण्डशोभातिदूरीभवत्
किंशुकं तं शुकं लालयन्ती परिक्रीडसे
पाणिपद्मद्वयेनाम्भमालामपि स्फाटिकीं ज्ञानसारान्त्रकं var मालाङ्ग
पुस्तकङ्कुशं पाशमाविब्रती तेन सङ्क्षिप्त्यसे तस्य
वज्रान्तरात् गद्यपद्यात्रिका भारती निस्सरेत् येन बाधव्यसनादा
कृतिर्भाव्यसे तस्य वश्या भवन्तिस्त्रियः पूरुषाः येन वा
शतकंवद्व्यतिर्भाव्यसे सोऽपि लक्ष्मीसहस्रैः परिक्रीडते
किम् सिद्ध्यद्वपुः श्यामलं कोमलं चन्द्रचूडाश्रितं
तावकं ध्यायतः तस्य लीला सरोवारीक्षीः तस्य केलीवनं
नन्दनं तस्य भद्रासनं भूतलं तस्य गीर्देवता किङ्करी
तस्य चाङ्गाकरी श्री स्वयं
सर्वतीर्थात्रिके सर्व मन्त्रात्रिके
सर्व यन्त्रात्रिके सर्व तन्त्रात्रिके
सर्व चक्रात्रिके सर्व शक्त्यात्रिके
सर्व पीठात्रिके सर्व वेदात्रिके
सर्व विद्यात्रिके सर्व योगात्रिके
सर्व वर्णात्रिके सर्व गीतात्रिके
सर्व नादात्रिके सर्व शब्दात्रिके
सर्व विश्वात्रिके सर्व वर्गात्रिके

সৰ্ব সৰ্বাত্মিকে সৰ্বগে সৰ্ব ৰূপে

জগন্মাতৃকে পাহি মাং পাহি মাং পাহি মাং

দেবি তুভ্যং নমো দেবি তুভ্যং নমো দেবি তুভ্যং নমো

দেবি তুভ্যং নমঃ

॥ ইতি শ্যামলা দণ্ডকম্ সম্পূৰ্ণম্ ॥

Encoded and proofread by P. P. Narayanaswami (swami@math.mun.ca)

and srirama at navayuga.com, Avinash

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated তুoday

<http://sanskritdocuments.org>

Shyamala Dandakam Lyrics in Bengali PDF

% File name : shyamala.itx

% Location : doc_devii

% Author : Kalidasa

% Language : Sanskrit

% Subject : philosophy/hinduism/literature

% Transliterated by : P. P. Narayanaswami (swami at math.mun.ca)

% Proofread by : P. P. Narayanaswami (swami at math.mun.ca), srirama_at_navayuga.com,
Avinash

% Latest update : December 24, 2008, April 5, 2013

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [December 14, 2015] at Stotram Website